भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2600

दिनांक 16 दिसम्बर, 2025

पोषण-संवेदनशील कृषि-संसाधन और नवाचार कार्यक्रम

2600. श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:
श्री संजय दिना पाटील:
श्रीमती सुप्रिया सुले:
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देशभर में पोषण-संवेदनशील कृषि-संसाधन और नवाचार (एनएआरई) कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं तथा महाराष्ट्र में उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के विशिष्ट आंकड़े क्या हैं;

(ख) एनएआरआई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य क्या हैं तथा इसका उद्देश्य महाराष्ट्र के ग्रामीण समुदायों में पोषण संबंधी कमियों को किस प्रकार दूर करना है;

(ग) महाराष्ट्र सहित चयनित 75 गांवों में उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन का ब्यौरा क्या है;

(घ) महाराष्ट्र में एनएआरई कार्यक्रम से लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की अनुमानित संख्या का ब्यौरा क्या है तथा सरकार कितनी लक्षित जनसंख्या तक पहुंचना चाहती है;

(ड.) क्या सरकार ने देश में, विशेषकर महाराष्ट्र में, फसल जैव-सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसकी सीमित प्रगति के क्या कारण हैं; और

(च) क्या 531 लाइसेंस प्राप्त निजी बीज कम्पनियों और एफपीओ, जिनमें महाराष्ट्र में संचालित निजी बीज कम्पनियां और एफपीओ भी सम्मिलित हैं, ने जैव-संवर्धित बीज किस्मों के उत्पादन और वितरण में मापनीय परिणाम प्राप्त किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

<u>(क), (ख) एवं (घ):</u> कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs) द्वारा ग्रामीण आबादी के बीच स्वास्थ्य और पोषण को मजबूत करने के लिए पोषण संवेदी कृषि संसाधन एवं नवाचार (NARI) को लागू किया जा रहा है। एनएआरआई (NARI) के अंतर्गत गतिविधियाँ विविध आहार, न्यूट्री-गार्डन, न्यूट्री-थाली, जैव-प्रबलित फसल किस्मों और पोषण-संवेदनशील कृषि

पर क्षमता निर्माण को बढ़ावा देती हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान एनएआरआई (NARI) के कार्यकलापों में न्यूट्री-गार्डन और जैव-प्रबलित फसलों पर प्रदर्शनों का आयोजन किया गया जिसमें 16,281 महिला किसानों को शामिल किया गया। इसके अलावा, 1.1 लाख महिला किसानों को शिक्षित करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी वर्ष, महाराष्ट्र के कृषि विज्ञान केन्द्रों ने न्यूट्री-गार्डन पर 748 प्रदर्शन और जैव-प्रबलित फसल किस्मों पर 73 प्रदर्शन आयोजित किए; एवं 204 प्रशिक्षण तथा विस्तार गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनसे 6640 महिला किसान लाभान्वित हुई।

एनएआरआई (NARI) गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य न्यूट्री-गार्डन, न्यूट्री-थाली और जैव-प्रबलित फसलों पर जागरूकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से पोषण-संवेदनशील कृषि को बढ़ावा देना है। एनएआरआई (NARI) में गतिविधियों का उद्देश्य महाराष्ट्र की महिला किसानों में पोषण संबंधी विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता पैदा करना, ज्ञान को अद्यतन करना और कौशल विकसित करना है, जिससे ग्रामीण समुदायों में पोषण संबंधी कमियों को दूर किया जा सके। महाराष्ट्र में एनएआरआई (NARI) के अंतर्गत लगभग 8000 किसान परिवारों को लाभ होने का अनुमान है।

(ग) : भाकृअनुप- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने महाराष्ट्र के परभणी जिले में 5 गांवों सहित देश भर के 75 गांवों में कृषिरत महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के माध्यम से न्यूट्री-स्मार्ट ग्राम कार्यक्रम कार्यान्वित किया है। इस कार्यक्रम के तहत न्यूट्री-स्मार्ट पद्धतियों पर जागरूकता और ज्ञान का सृजन करने के लिए 3821 न्यूट्री-गार्डन स्थापित किए गए; कृषक परिवारों को 30 क्विंटल बीज उपलब्ध कराए गए; तथा 425 प्रदर्शनियां आयोजित की गईं हैं। महाराष्ट्र में कुल 25 प्रदर्शनियां और 160 क्षमता-निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिससे 29800 कृषक परिवारों को लाभ हुआ है।

(ङ) : सरकार ने महाराष्ट्र सहित देशभर में फसल जैवप्रबलीकरण (बायोफोर्टिफिकेशन) को प्रोत्साहन देने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। भाकृअनुप ने 205 जैव-प्रबलित किस्में (185 खेत फसलें और 20 बागवानी फसलें) विकसित की हैं और इन किस्मों को कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से महाराष्ट्र सहित, जैव-प्रबलित फसल किस्मों पर सीएफएलडी (क्लस्टर फ्रन्ट लाइन प्रदर्शन) कार्यक्रम (वर्ष 2025-26) के अंतर्गत प्रोत्साहित किए जाने की योजना है। प्रमुख फसलों के लिए एनएफएसएनएम (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन) के अंतर्गत भी इन किस्मों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू) द्वारा राज्यों तथा बीज उत्पादन एजेंसियों आदि को यह परामर्श दिया गया है कि वे भाकृअनुप संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू) इत्यादि द्वारा विकसित नवीनतम जारी की गई उच्च उपज वाली (जिसमें जैव-प्रबलित किस्में भी सम्मिलित हैं) विभिन्न फसल किस्मों के ब्रीडर बीज की माँग प्रस्तुत करें, ताकि उनका आगे फाउंडेशन एवं प्रमाणित बीजों के रूप में प्रगुणन किया जा सके और किसानों को इन फसल किस्मों के आवश्यक बीज उपलब्ध कराए जा सकें।

एनएफएसएनएम, के अंतर्गत विभिन्न बीज संबंधी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध/प्रदान की जाती है, जैसे प्रजनक बीज की खरीद, फाउंडेशन एवं प्रमाणित बीजों का (50 प्रतिशत तक) वितरण, जिसमें विभिन्न फसलों की जैव-प्रबलित किस्में भी शामिल हैं, ताकि इन किस्मों के पर्याप्त बीज किसानों को उपलब्ध कराए जा सकें।

(च) : विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, देशभर में बीज उत्पादन एवं वितरण (जिसमें जैव- प्रबलित बीज किस्में भी सम्मिलित हैं) के लिए 1.86 लाख से अधिक बीज उत्पादक लाइसेंस तथा 2.07 लाख बीज विक्रेता लाइसेंस जारी किए गए हैं। इनमें से महाराष्ट्र राज्य में 1,375 बीज उत्पादक लाइसेंस एवं 44,563 बीज विक्रेता लाइसेंस जारी किए गए हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 15,043.5 क्विंटल जैव- प्रबलित ब्रीडर बीज किस्मों का उत्पादन किया गया। इसी प्रकार, इस अवधि में खेत फसलों की जैव- प्रबलित किस्मों के 20,422.9 क्विंटल फाउंडेशन, प्रमाणित तथा टीएल बीजों का भी उत्पादन किया गया। महाराष्ट्र में, 16 क्विंटल जैव- प्रबलित ब्रीडर बीज तथा 94.2 क्विंटल गुणवत्ता युक्त बीजों का उत्पादन कर किसानों को वितरित किया गया। इन बीजों का उत्पादन एवं वितरण सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों, जिनमें किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) भी शामिल हैं, के बीज उत्पादकों के सहयोग से किया गया।

****